11 सड़क निर्माण में देरी से कारोबार प्रभावित

12 तीन वार्डों में 1.28 करोड़ से विकास कार्यों का शुभारंभ

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री कल पुष्प एवं बीज उत्पादन उत्कृष्टता केंद्र का करेंगे उद्घाटन

झज्जर। क्षेत्र के गांव मुनीमपुर में बुधवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री गांव मुनीमपुर स्थित नवनिर्मित पुष्प एवं बीज उत्पादन उत्कृष्टता केंद्र सहित अनेक विकास योजनाओं का उद्घाटन करेंगे तथा क्षेत्र के नागरिकों से संवाद भी करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सोमवार को पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ तथा डीसी वर्षा खांगवाल ने कार्यक्रम स्थल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

लघुसचिवालय में तीन दिवसीय प्रदर्शनी आज से

झज्जर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों एवं उपलब्धियों से अवगत करवाने के उद्देश्य से 16 से 18 जून तक सचिवालय परिसर में तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। वहीं संवाद भवन में स्कूली विद्यार्थियों के लिए कविता, निबंध, पेंटिंग सरीखी रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने बताया कि प्रदर्शनी के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं, विकास कार्यों एवं जनहित में किए कार्यों की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी। विद्यार्थियों को केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं, उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी पहलों से संबंधित जानकारी देने के साथ-साथ प्रश्नोत्तर गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया जाएगा।

नौ आपराधिक वारदात में शामिल आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सीआईए-1 बहादुरगढ़ ने अवैध हथियार सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी से देशी पिस्तौल व 1 कारतूस बरामद हुआ है। जगरतपुर-बुपनिया रोड से काबू किए गए आरोपी की पहचान मनजीत के रूप में हुई है। वह बुपनिया का रहने वाला है। पुलिस को सूचना थी कि वह किसी वारदात को अंजाम देने की मंशा से खड़ा है। इससे पहले ही उसे काबू कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ बादली थाने में शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि आरोपी कई वारदातों में संलिप्त रहा है। वर्ष 2015 से 2022 के बीच बादली, बहादुरगढ़ क्षेत्र के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, लूट, छीना-झपटी, डकैती की तैयारी, चोरी, अवैध हथियार रखने, मारपीट, धमकी तथा अन्य गंभीर अपराधों से संबंधित कुल 9 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ थाना शहर बहादुरगढ़, थाना सदर बहादुरगढ़ तथा थाना बादली में मामले दर्ज पाए गए हैं। अदालत में पेश कर उसे जेल भेज दिया गया है।

आसंडा में भंडारा व रक्तदान शिविर 18 को

बहादुरगढ़। गांव आसंडा के दादा पच पीर मंदिर में वीरवार 18 जून को विशाल भंडारे व रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। मंदिर में सुबह हवन होगा। इसके बाद भंडारा शुरू होगा। साथ ही मंदिर परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर भी लगेगा। आयोजकों ने शिविर में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

सोमवार दोपहर मौसम ने एक बार फिर बदली करवट

आंधी का कहर : 29 खंभे, 7 ट्रांसफार्मर समेत कई पेड़ गिरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

सोमवार दोपहर को इलाके में तेज आंधी आई। आंधी के कारण कुछ जगहों पर छोटे पेड़ गिर गए। इसके अलावा 29 बिजली के खंभे और 7 ट्रांसफर्मार भी गिर गए, जिस कारण विद्युत आपूर्ति भी बाधित रही। साथ ही सड़कों पर यातायात प्रभावित हुआ। आंधी के बाद बूंदाबांदी और ठंडी हवा चलने से मौसम खुशनुमा हो गया।

दरअसल, पिछले कुछ समय से मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी भीषण गर्मी हो जाती है तो कभी आंधी और बरसात के कारण तापमान नरमा जाता है। सोमवार को भी मौसम में परिवर्तन देखने को मिला।

कई घंटे बाधित रही बिजली सप्लाई

बहादुरगढ़। आंधी के बाद जमीन पर गिरा पड़ा एक ट्रांसफार्मर।

सुबह की शुरुआत आसमान में छाए हुए बादलों से हुई। दोपहर को भी कभी धूप निकली तो कभी आसमान में बादल छाए। दोपहर करीब 2 बजे अचानक तेज आंधी शुरू हो गई। करीब 2 घंटे तक तेज हवाओं के बीच बूंदाबांदी भी हुई। आंधी और धूल के कारण सड़कों पर वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ जगहों पर छोटे पेड़ टूट गए। कई जगहों पर तारें भी टूटीं। आंधी व बूंदाबांदी थमने के बाद आसमान में बादल छाए रहे और ठंडी हवा चलती रही। इसके चलते तापमान में गिरावट देखने को मिली। शाम साढ़े 4 बजे अधिकतम तापमान 36 डिग्री देखने को मिला। देर शाम तक आसमान में बादल छाए हुए थे।

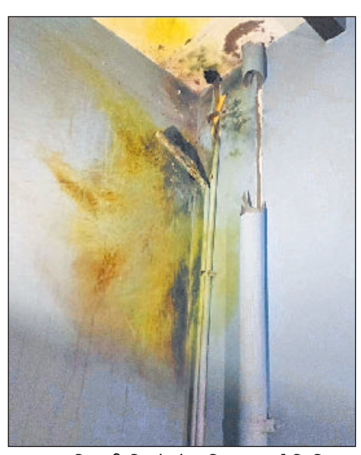

झज्जर। बिजली गिरने से क्षतिग्रस्त हुई फिटिंग।

खातीवास में बिजली गिरने से दो घरों के उपकरण जले

झज्जर। क्षेत्र के गांव खातीवास में आसमानी बिजली गिरने से दो घरों के बिजली उपकरण व फिटिंग जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित नवीन पुत्र लालाराम ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब दो बजे आई आंधी व बरसात के दौरान उनके घर की छत पर रखी पानी की टंकी पर अचानक आसमानी बिजली गिर गई। इस घटना में उनके घर की बिजली फिटिंग व बोर्ड क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं घर में रखा फ्रिज, पंखे, इनवर्टर सहित कई बिजली उपकरण खराब हो गए। उसके घर की पानी की टंकी की फिटिंग व प्लास्टिक पाइप भी टूट गए। इसके अलावा उसके घर के साथ लगते उसके चाचा के घर की फिटिंग व बिजली उपकरण भी क्षतिग्रस्त हो गए। नवीन के अनुसार घटना के समय वह अपने काम से बाहर गया हुआ था। दोपहर को घर में उसके माता-पिता व बेटा मौजूद था। अचानक हुई तेज आवाज के बाद घर में बिजली गुल हो गई। इसके बाद उन्होंने उसे घटना से अवगत कराया। पीड़ित परिवार के सदस्यों ने जिला प्रशासन से आर्थिक सहायता की गुहार लगाई है।

तेज आंधी में उड़े फ्लैक्स बोर्ड : सोमवार दोपहर बाद एकाएक मौसम में बदलाव हुआ और तेज आंधी चलने लगी। जिसके कारण जन जीवन प्रभावित हुआ। तेज आंधी के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बाजार में लगे हुए बोर्ड व फ्लैक्स उड़ गए। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी हुई। लेकिन हल्की बारिश के कारण मौसम सुहाना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। सोमवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बहादुरगढ़ में तीन प्रतिष्ठानों में आग लगने से लाखों का नुकसान

शार्ट सर्किट से मेडिकल स्टोर व फिजियोथेरेपी सेंटर में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

नजफगढ़ रोड पर पुराना बस अड्डे के निकट स्थित मेडिकल स्टोर सहित 2 दुकानों में भीषण आग लग गई। आग से मेडिकल स्टोर में काफी दवाइयां, फर्नीचर व अन्य सामान जलकर राख हो गया। जबकि साथ लगती दुकान में भी काफी नुकसान हुआ है। शार्ट सर्किट से आग की आशंका है।

दरअसल, दुल्हेड़ा निवासी कपिल का यहां नजफगढ़ रोड पर चांद मेडिकल स्टोर है। सुबह करीब 7 बजे स्टोर के अंदर आग सुलग गई। देखते ही देखते आग भड़क गई। शटर से धुआं निकलता देख आसपास रहने वाले लोग हरकत में आए और मालिक तथा फायर ब्रिगेड को सूचना दी। जब तक फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू करती, काफी नुकसान हो चुका था। विभाग की 3 गाड़ियों ने आग पर नियंत्रण पाया। स्टोर मालिक के मुताबिक, फर्नीचर, दवाइयां सहित काफी सामान जला है। उन्हें लाखों का नुकसान हुआ है। इतना ही नहीं, आग साथ लगते विनय कुमार के शिवम फ्रेक्चर एंड फिजियोथेरेपी सेंटर में भी जा पहुंची। इस दुकान में सीलिंग व वायरिंग आदि में नुकसान पहुंचा है। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं है लेकिन शार्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। प्रभावित दुकानों के ऊपर अन्य दुकानें भी हैं। गनीमत रही कि आग वहां तक नहीं पहुंची, अन्यथा नुकसान और अधिक हो सकता था।

बहादुरगढ़। आग से प्रभावित मेडिकल स्टोर से सामान निकालते संचालक।

बहादुरगढ़। टेंट हाउस परिसर में भड़की आग।

टेंट हाउस में भीषण आग से भारी नुकसान

बहादुरगढ़। गांव बालोर स्थित एक टेंट हाउस परिसर में सोमवार की अलसुबह भीषण आग लग गई। आग तेजी से फैली और पूरे परिसर को चपेट में ले लिया। आग लगने की इस घटना से टेंट हाउस संचालक को काफी नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। मामले में जांच की जा रही है। दरअसल, बालोर के निवासी रोहन यादव का टेंट का व्यवसाय है। गांव में ही गोदाम बना रखा है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार की अलसुबह अज्ञात कारणों के चलते परिसर में आग सुलग गई। देखते ही देखते आग तेजी से फैल गई। सूचना मिलते ही संचालक व उसके परिवार के सदस्य तथा आसपास के लोगों ने राहत कार्य का प्रयास किया। दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची लेकिन तब तक आग पूरी तरह से भड़की हुई थी। टेंट सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। दूर-दूर तक आसमान में काला धुआं देखने को मिला। टेंट हाउस संचालक को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग कैसे लगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। जांच के बाद स्थिति साफ हो पाएगी। दुकान व टेंट संचालकों ने सरकार से आर्थिक मदद की मांग की है।

सुनसान गली में डिलीवरी के बाद बच्चे को कट्टे में छोड़कर भागी महिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

इलाके में एक बार फिर ममता को शर्मसार करता मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने सुनसान गली में शिशु को जन्म दिया और फिर कट्टे में डालकर उसे छोड़कर चली गई। इस घिनौनी करतूत में उसके साथ एक युवक भी शामिल रहा। नवजात बच्चे को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, सिटी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर दोनों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज चेक की जा रही है।

मामला रोहतक-दिल्ली रोड के साथ लगते दयानंद नगर का है। सुबह करीब साढ़े आठ बजे की यह घटना बताई जा रही है। एक दुकानदार की नजर गली किनारे कट्टे में मौजूद शिशु पर गई तो उन्होंने बच्चे को संभाला। बच्चे की सांस चल रही थी। आनन-फानन में उसे नजदीकी ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस को भी सूचना दी। सेक्टर-9 चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मामले की तह तक जाने के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज चेक कर रही है। प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि गर्भवती महिला एक युवक के साथ थी। गली में उसने शिशु को जन्म दे दिया। फिर दोनों ने कट्टे में डालकर शिशु को वहीं छोड़ दिया।

हे मां! मेरा क्या कसूर था

- दयानंद नगर में आरोपी महिला के साथ युवक भी था
- दुकानदार धर्मपुरा निवासी सुरेंद्र ने बच्चे को देखकर बचाया और निजी अस्पताल में भर्ती करवाया
- पुलिस सीसीटीवी व अस्पताल के रिकॉर्ड की जांच कर आरोपियों का पता लगाने में जुटी

संयोगवश धर्मपुरा के निवासी सुरेंद्र वहां से गुजर रहे थे। उनकी दयानंद नगर में ही दुकान है। सुरेंद्र की नजर पड़ी तो शिशु को संभाला। मानवता के नाते बच्चे को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। अन्यथा वह किसी पशु का शिकार भी बन सकता था।

मुंबई से पकड़े जितेंद्र हत्याकांड के 3 आरोपी

हत्या के मामले में वांछित नाबालिग व विशाल पर था 25-25 हजार का इनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

पुलिस की एक टीम द्वारा डीघल गांव में हुए जितेंद्र हत्याकांड मामले में कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने पत्रकार वार्ता में बताया कि मृतक के भाई सोमवीर की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया था।

उन्होंने बताया कि सीआईए-टू बहादुरगढ़ प्रभारी अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, गुप्त सूचनाओं तथा वैज्ञानिक जांच के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को मुंबई से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान दीपांशु उर्फ डाबोदिया निवासी डाबोदा खुर्द तथा विशाल उर्फ हनुमानगढ़िया निवासी गांव कलाना, जिला हनुमानगढ़ राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए मुंबई भाग गए थे, जहां वे लगातार अपनी पहचान छिपाकर रह रहे थे। जांच में यह भी सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी विशाल उर्फ हनुमानगढ़िया के विरुद्ध हरियाणा एवं राजस्थान में हत्या, रंगदारी, अवैध हथियार रखने तथा संगठित अपराध से जुड़े छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं आरोपी दीपांशु उर्फ डाबोदिया के खिलाफ भी हत्या सहित अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं। तीसरे नाबालिग आरोपी पर भी राजस्थान और हरियाणा में गंभीर आपराधिक मामलों में संलिप्तता पाई गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी विशाल उर्फ हनुमानगढ़िया तथा नाबालिग आरोपी राजस्थान के एक हत्या के मामले में वांछित चल रहे थे, जिन पर राजस्थान पुलिस द्वारा 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से नाबालिग आरोपी को बाल सुधार गृह भेज दिया है, जबकि दीपांशु और विशाल को पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड अवधि के दौरान हत्या की साजिश, हथियारों की व्यवस्था तथा अन्य संभावित सहयोगियों के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। बता दें कि 2-3 जून को देर रात गांव डीघल निवासी जितेंद्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

झज्जर। पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ।

विजय सैनी के बेटे सुनील को मारने आया था इंद्रपाल

झज्जर। दुजाना क्षेत्र में रविवार की शाम एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में ढेर हुआ कुख्यात आरोपी इंद्रपाल विजय सैनी के पुत्र सुनील को मारने के लिए गांव पहुंचा था। पुलिस के अनुसार इंद्रपाल दोहरे हत्याकांड में वांछित था और उसके दुजाना क्षेत्र में आने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम ने नहर के पास घेराबंदी की। करीब आठ बजे संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने पर पुलिस ने उसे रुकने और आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन आरोपी ने खुद को इंद्रपाल बताते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पहली गोली एसटीएफ कर्मी सचिन की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। इसके बाद आरोपी ने दोबारा फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में गोली चलाई गई। पुलिस का आरोप है कि घायल होने के बावजूद आरोपी ने एक और गोली चलाई, जो एसटीएफ प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश सिंह की बाजू पर लगी। इसके बाद पुलिस ने उसे काबू कर लिया। घायल आरोपी इंद्रपाल और इंस्पेक्टर को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने इंद्रपाल को मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में थाना दुजाना में हत्या के प्रयास, पुलिस पर हमला तथा आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। उधर, इंद्रपाल के शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद उसका शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

सफलता एसआर सेंचुरी स्कूल के पूर्व छात्र की खास उपलब्धि

जटवाड़ा मोहल्ला के पुनीत राठी बने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट

झज्जर का लाल इंफेंट्री रेजिमेंट में देगा सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर के जटवाड़ा मोहल्ला निवासी पुनीत राठी ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर बहादुरगढ़ का नाम रोशन किया है। पुनीत को 13 जून को भारतीय सेना की इंफेंट्री रेजिमेंट में बतौर लेफ्टिनेंट कमीशन प्राप्त हुआ। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है तथा लोग इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायी उदाहरण मान रहे हैं।

बता दें कि पुनीत राठी जटवाड़ा मोहल्ला के 7-बिसवा निवासी राजबहादुर राठी और सीमा राठी के पुत्र हैं। उनकी बड़ी बहन दिल्ली स्थित एम्स में कार्यरत हैं। पुनीत ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बहादुरगढ़ के एसआर सेंचुरी स्कूल से प्राप्त की, जहां से उन्होंने 10वीं और 12वीं की पढ़ाई पूरी की। स्कूली शिक्षा के बाद पुनीत का चयन राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में हुआ। वर्ष 2022 से 2025 तक उन्होंने एनडीए में ग्रेजुएशन पूरी की। इसके बाद वर्ष 2025 से 2026 तक आईएमए देहरादून में कठोर सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया।

बहादुरगढ़। पासिंग आउट परेड के दौरान परिजनों के साथ पुनीत राठी।

सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 13 जून को आयोजित पासिंग आउट परेड में पुनीत राठी को भारतीय सेना की इंफेंट्री शाखा में लेफ्टिनेंट के पद पर कमीशन प्रदान किया गया। इस गौरवपूर्ण क्षण के साथ उन्होंने सेना के अधिकारी के रूप में देश सेवा की जिम्मेदारी संभाली है। पुनीत की इस उपलब्धि से उनके परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। लोगों ने इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताते हुए पुनीत को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

‘प्लास्टिक बंद’ के लिए बर्तन बैंक का करेंगे विस्तार

भंडारों के लिए नगर परिषद खरीदेगी एक हजार प्लेट और 4 हजार स्टील के गिलास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

चेयरपर्सन सरोज राठी की पहल पर शहर में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद द्वारा बर्तन बैंक का विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत नगर परिषद द्वारा जल्द ही 4000 स्टील के गिलास, 1000 स्टील की प्लेटें और 1000 स्टील के चम्मच खरीदे जाएंगे।

चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि शहर में विभिन्न धार्मिक आयोजनों, छबील व भंडारों समेत अन्य कार्यक्रमों के दौरान बड़ी संख्या में प्लास्टिक की प्लेटों, गिलासों और चम्मचों का उपयोग किया जाता है। इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है, बल्कि शहर में कचरे की समस्या भी बढ़ती है।

बहादुरगढ़। बर्तन बैंक में नप स्टाफ के साथ चेयरपर्सन सरोज राठी।

इसे ध्यान में रखते हुए नगर परिषद ने एक हजार बर्तनों के सेट के साथ बर्तन बैंक की स्थापना की थी। अब जनहित को देखते हुए बर्तन बैंक मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से सिंगल यूज प्लास्टिक से दूरी बनाने और परिषद के बर्तन बैंक से स्टील के गिलास, प्लेट और चम्मच लेकर अपने आयोजनों को पर्यावरण अनुकूल बनाने की अपील की।

हरिभूमि सहेली

विशेष
पिता दिवस-योग दिवस
21 जून

पिता अब छिपी-छिपी नहीं रही प्रेम की अभिव्यक्ति

एक समय था, पिता की छवि एक सख्त व्यक्ति की होती थी, ऐसा भी नहीं था कि वे अपने बच्चों से स्नेह-प्रेम नहीं करते थे, करते थे लेकिन अभिव्यक्त नहीं करते थे। इस कारण बच्चों और पिता के बीच रिश्तों में वह ऊष्मा नजर नहीं आती थी, जो होनी चाहिए। लेकिन आज पिता अपने बच्चों के साथ अपने रिश्तों को अभिव्यक्त कर रहे हैं। बेटियों के साथ तो उनके रिश्तों के रंग बहुत ही अलग हैं।

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

मां का प्रेम-स्नेह अकसर शब्दों और स्पर्शों में सहज ही दिखाई देता है, जबकि पिता अपने प्रेम को व्यक्त नहीं कर पाते। पीढ़ी-दर-पीढ़ी उन्होंने अपने पिता को मौन रहकर जिम्मेदारियां निभाते देखा, इसलिए वे भी अपने प्रेम को त्याग और कर्तव्य के पीछे छिपाते रहे। पिता हर संघर्ष का चुपचाप सामना करते हुए परिवार की सुरक्षा-स्थिरता का आधार बने रहे। पिता की इस छवि को गढ़ने की जिम्मेदारी केवल समाज की नहीं, परिवार की स्त्रियों की भी रही। आखिर हर पिता पहले एक बेटा होता है, उसे पिता बनने का कोई औपचारिक पाठ नहीं पढ़ाया जाता। वह अपने आस-पास के व्यवहारों, संकेतों और अपेक्षाओं से सीखता रहा। बचपन से अपनी मां, दादी, बुआ, मौसी और नानी से उसे मजबूत बने रहने, कमजोरी न दिखाने और भावनाओं पर नियंत्रण रखने की सीख दी जाती रही। कोमलता और कठोरता के बीच एक अदृश्य रेखा खींच दी गई। पिता से अपेक्षा की गई कि वह घर की जिम्मेदारियां उठाए, कठिन परिस्थितियों में संयम बनाए रखे और हर संकट में अडिग खड़ा रहे। नतीजा यह हुआ ये बातें समय के साथ उसके स्वभाव का हिस्सा बन गईं। पिता अपनी संतान से प्रेम तो करता रहा, पर उसे व्यक्त करने में संकोच करता।

पिता की परंपरागत छवि

पुरानी पीढ़ी के परिवारों में पिता का व्यक्तित्व अनुशासन का पर्याय माना जाता था। उनकी मौजूदगी भर से घर का माहौल बदल जाता था। बच्चे उनसे डरते थे, लेकिन एक भरोसा भी करते थे। वे बच्चों के साथ बैठकर लंबी बातचीत भले न करते हों, लेकिन उनकी पढ़ाई, भविष्य को लेकर लगातार सजग रहते थे। अपने संघर्षों का बोझ परिवार पर डालने के बजाय पिता उसे स्वयं ही उठाते रहे। कई लोगों की स्मृतियों में पिता ऐसे व्यक्ति के रूप में बसे हैं, जिन्होंने उनके लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन शायद ही कभी सिर पर हाथ रखकर पूछा हो, 'तुम खुश तो हो बेटा?' यह अभाव हमेशा बच्चों के मन में शिकायत नहीं बनता, फिर भी किसी कोने में बना रहता है। बच्चे उनके स्नेह को शब्दों में नहीं, कर्मों में पढ़ना जानते थे-फीस भर देने में, देर रात तक काम करते रहने में, बीमारी के दौरान सिरहाने बैठे रहने में या अपनी इच्छाओं को पीछे रख देने में। दरअसल, पुरुषों की कई पीढ़ियां ऐसे वातावरण में बड़ी हुईं, जहां कोमलता को मान नहीं मिलता था। उन्हें बताया गया कि भावुक होना एक कमजोरी है। आंसू छिपाने हैं, डर प्रकट नहीं करना है, मन की बात अपने भीतर रखनी है। यही कारण है कि अनेक पिता अपने बच्चों के सामने सहज नहीं हो पाए। उन्होंने अपने लगाव को जिम्मेदारियों में ढाल दिया।

तोड़ी है परंपरागत छवि

आज समय बदल चुका है, उसके साथ रिश्तों की भाषा भी बदली है। आज पितृत्व के स्वरूप में परिवर्तन दिखाई देने लगा है। यह परिवर्तन हर जगह एक जैसा नहीं है, लेकिन उसकी मौजूदगी से इंकार नहीं किया जा सकता। अब पिता केवल बच्चों के भविष्य की चिंता भर नहीं करते, वे उनके वर्तमान का भी हिस्सा बनते हैं। पिता यह जानना चाहते हैं कि उनका बच्चा क्या सोचता है, किस बात से डरता है, किस बात पर खुश होता है? नई पीढ़ी के पिता बच्चों से खुलकर बातचीत करते हैं। वे उनके साथ खेलते हैं, उनकी बातें सुनते हैं, उनकी दुनिया को समझने का प्रयास करते हैं। आज के पिता यह सोचते हैं कि केवल सुविधाएं जुटा देना पर्याप्त नहीं है। बच्चों को समय चाहिए, भरोसा चाहिए और ऐसा साथ चाहिए, जहां वे बिना झिझक अपने मन की बात कह सकें।

अलग रंग लिए है पिता-बेटी का रिश्ता

पिता और बेटी का रिश्ता परिवार के अन्य रिश्तों से कुछ अलग रंग लिए होता है। बेटी अपने पिता के माध्यम से दुनिया के पुरुष समाज को देखना और समझना शुरू करती है। उसके भीतर आत्म-सम्मान, सुरक्षा और अपने अस्तित्व के मूल्य का जो पहला बोध बनता है, उसमें पिता की भूमिका अहम होती है। एक पिता अपनी बेटी के साथ जैसा व्यवहार करता है, वह उसके आत्मविश्वास, संबंधों और जीवन दृष्टि को गहराई से प्रभावित करता है। शायद यही कारण है कि अब बेटियों को पापा की परी कहा जाता है। बहुत-सी बेटियों के लिए पिता केवल अभिभावक भर नहीं, बल्कि ऐसे इंसान हैं, जिन पर वे सबसे ज्यादा भरोसा करती हैं। कई बार वे अपने मन की वो बातें भी पिता से कह देती हैं, जिन्हें कहना सहज नहीं है। दूसरी ओर पिता भी अब तमाम परंपरागत अवधारणाओं से उबर कर अपनी बेटियों के प्रति कोमल भाव संजोए दिखते हैं। उन्हें अपनी बेटी की इच्छाओं को पूरा करने में खुशी मिलती है, उनकी उपलब्धियों पर वे गर्व से भर उठते हैं। बदलते हुए इस दौर में आज के पिता बेटियों को संरक्षण देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्हें अपना स्वतंत्र व्यक्तित्व गढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। आज के दौर में पिता को यह भी समझ में आ गया है कि दुनिया केवल अनुशासन से नहीं, प्रेम और संवेदनाओं से भी फलती-फूलती है। ✿

समाज समयानुकूल बदल रहा है। पिता भी अपनी परंपरागत छवि से उबरे हैं। लेकिन वह वास्तव में कितने बदले हैं, उनका बदलना कितना जरूरी है, एक विवेचन।

वास्तव में कितने बदले हैं आज के पिता

बदलाव

अलका 'सोनी'

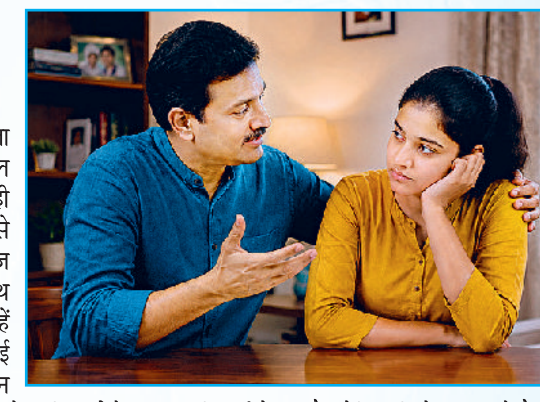

भारत सहित दुनिया भर में पिता की भूमिका तेजी से बदल रही है। पहले जहां 'अच्छा पिता' वही माना जाता था, जो आर्थिक रूप से परिवार को सुरक्षित रखे, वहीं आज अच्छा पिता वो है, जो बच्चों के साथ समय बिताए, भावनात्मक रूप से उन्हें सपोर्ट करे। यूनिसेफ और कई पारिवारिक अध्ययन बताते हैं कि जिन बच्चों के जीवन में पिता सक्रिय रूप से शामिल होते हैं, उनमें आत्मविश्वास, सामाजिक कौशल और मानसिक संतुलन बेहतर पाया जाता है। आज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी 'हैंड्स-ऑन डैड' की छवि तेजी से उभर रही है। वे अपने बच्चे को खाना खिलाते हुए, स्कूल के लिए तैयार करते हुए, उनके साथ खेलते हुए दिखते हैं, आज ये पिताओं के सामान्य दृश्य बनते जा रहे हैं।

क्यों जरूरी है इमोशनल फादरहुड: पैरेंटिंग एक्सपर्ट्स का कहना है कि केवल आर्थिक सुरक्षा बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए पर्याप्त नहीं होती है, भावनात्मक सुरक्षा भी जरूरी है। आज की तेज और डिजिटल दुनिया में बच्चे कई मानसिक दबावों से गुजर रहे हैं, जैसे पढ़ाई का तनाव, सोशल मीडिया का प्रभाव, अकेलापन और प्रतिस्पर्धा। ऐसे समय में यदि पिता बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करते हैं, उनकी बात सुनते हैं और भावनात्मक समर्थन देते हैं, तो बच्चे अधिक मजबूत बनते हैं। एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों के पिता नियमित रूप से उनके साथ समय बिताते हैं, उनमें व्यवहार संबंधी समस्याएं कम होती हैं, पढ़ाई में आत्मविश्वास अधिक होता है।

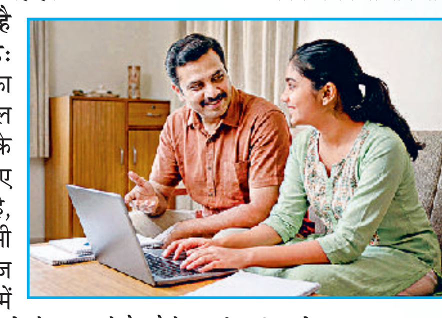

भारतीय समाज कितना बदला: हालांकि बदलाव साफ दिखाई दे रहा है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि भारतीय समाज अभी संक्रमण के दौर में है। कई परिवारों में आज भी यह धारणा मौजूद है कि बच्चों की देखभाल मुख्यतः मां की जिम्मेदारी है। ग्रामीण और छोटे शहरों में अभी भी ऐसे पिता कम दिखाई देते हैं, जो खुलकर भावनात्मक जुड़ाव दिखाते हों। 'मर्द को दर्द नहीं होता' जैसी सोच पुरुषों को अपनी भावनाएं व्यक्त करने से रोकती हैं। इसके अलावा लंबे कार्य घंटे, नौकरी का दबाव और डिजिटल व्यस्तता, कई पिताओं को बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने से दूर कर देते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि बच्चों के साथ समय बिताने के लिए हमेशा घंटों की जरूरत नहीं होती। यदि पिता रोज कुछ समय पूरी ईमानदारी से बच्चों के साथ बातचीत करें, तो यह रिश्ता गहरा बन सकता है।

विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि पिता यदि घर के छोटे कामों और बच्चों की देखभाल में भाग लेते हैं, तो बच्चे लैंगिक समानता भी सीखते हैं। यह बदलाव केवल परिवारों को नहीं, बल्कि पूरे समाज को अधिक संवेदनशील बना सकता है। क्योंकि जिन बच्चों को बचपन में भावनात्मक सुरक्षा मिलती है, वे बड़े होकर अधिक आत्मविश्वासी और सहानुभूतिपूर्ण इंसान बनते हैं। ✿

पिता का 'परफेक्ट' नहीं 'उपलब्ध' होना जरूरी

पैरेंटिंग एक्सपर्ट्स के अनुसार अच्छे पिता बनने के लिए 'परफेक्ट' होना जरूरी नहीं, 'उपलब्ध' होना जरूरी है। जैसे कि-

- बच्चों की बात बिना टोके सुनें।
- बतौर पिता आप हर दिन कुछ समय केवल अपने बच्चों के लिए जरूर निकालें।
- डांट के बजाय संवाद को प्राथमिकता दें।
- बच्चों की छोटी उपलब्धियों की भी सराहना करें।
- अपनी भावनाएं व्यक्त करने से न हिचकें।
- स्क्रीन टाइम कम करके फैमिली टाइम बढ़ाएं।

स्पेशलः इंटरनेशनल डोमेस्टिक वर्कर्स-डे, 16 जून

डोमेस्टिक हेल्पर यानी घरेलू सहायक रखने से पहले इनकी पुलिस वेरिफिकेशन बहुत जरूरी है। यह सिर्फ आपकी सुरक्षा के लिए ही नहीं, डोमेस्टिक हेल्पर की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। साथ ही इन्हें इसके कई फायदे भी मिल सकते हैं। डोमेस्टिक हेल्पर रखते हुए किन बातों की सावधानियां रखें, बहुत ही जरूरी जानकारी।

डोमेस्टिक हेल्पर रखने से पहले जरूर बरतें कुछ सावधानियां

अवेयरनेस

डॉ. मोनिका शर्मा

घरेलू काम में मदद की बात हो या बच्चों-बुजुर्गों की देखभाल। अब अधिकतर शहरी परिवारों में डोमेस्टिक हेल्पर (घरेलू सहायक/कामगार) या मेड रखने का चलन है।

रखते वक्त रहें सतर्क: घरेलू सहायकों को रखते समय बेहद सतर्क रहने की जरूरत होती है, क्योंकि आए दिन कई खतरनाक और दुःखद घटनाएं सुनाई देती हैं। इसलिए कानूनी नियमों से लेकर डोमेस्टिक हेल्पर के व्यवहार और नागरिकता तक कई पहलुओं पर सही जानकारी लेने की दरकार है। पूरी और सही इंफॉर्मेशन आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा से जुड़ी होती है। साथ ही आपकी यह सजगता डोमेस्टिक हेल्पर को एजेंसियों के शोषण और दूसरे कई तरह के डर और अनिश्चितता से भी बचाती है।

वेरिफिकेशन है जरूरी: आमजन में अवेयरनेस लाने के प्रयासों के बावजूद कई लोग बिना वेरिफिकेशन, घरेलू कामगार रखते हैं। ऐसे में किसी अनहोनी होने की स्थिति में घरेलू कामगार से जुड़ी सही जानकारी जुटाना मुश्किल हो जाता है। इसीलिए काम पर रखने से पहले लोकल पुलिस स्टेशन में हेल्पर की पुलिस वेरिफिकेशन करवाना न भूलें। जरूरी डॉक्यूमेंट्स जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि की कॉपी भी घरेलू कामगार से मांगें। अपनी मेड, ड्राइवर, कुक, केयर टेकर, बेबी सिटर, माली आदि के इन कागजों को आपका अपने पास रखना बहुत जरूरी है। इस औपचारिकता को परेशानी मानने के बजाय पुलिस स्टेशन जाकर प्रक्रिया पूरी करने की राह चुनें। याद रखें, किसी डोमेस्टिक हेल्पर का अपनी पहचान छुपाकर आपके यहां काम करना, आपके परिवार के साथ ही सोशल, नेशनल सिक्योरिटी से जुड़ा विषय भी है। भविष्य में कोई अनहोनी होने पर बिना वेरिफिकेशन वाले कामगार को रखने के लिए आप भी कानूनी मुश्किल में पड़ सकते हैं।

सजग रहें-सुरक्षित रहें: घरेलू कामगार को सम्मान जरूर दें पर व्यवहार को गंभीरता से समझें। उनकी बातों में किसी तरह का बदलाव दिखे तो सचेत हो जाएं। खासकर बिना कोई स्पष्ट कारण बताए छुट्टी लेना, छुपकर फोन पर बतियाना, अपने जानकारों को मिलने बुलाना और अपनी जिंदगी के बारे में हर बार नई बात बताना। ऐसे मामलों में बरती गई सजगता आपको किसी बड़े संकट से बचा सकती है। आपकी सोसाइटी के दूसरे घरों में उसके काम करने के बारे में भी जानकारी लें। उसके फैमिली मेंबर का कॉन्टेक्ट नंबर और घर का पता भी आपके पास होना चाहिए।

उनकी सुरक्षा और लाभ के लिए भी जरूरी है वेरिफिकेशन: एंप्लॉयर द्वारा की गई कानूनी औपचारिकताएं खुद घरेलू कामगारों की सुरक्षा से भी जुड़ी होती है। नियमानुसार काम मिलने पर उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्हें एजेंसीज या एजेंट्स का कोई भय नहीं रहता। उनसे जुड़ी सही जानकारी लेने से बीमारी या किसी परेशानी के समय उनके परिवार को सूचित किया जा सकता है। ✿

बच्चों के लिए योग से जुड़ी जरूरी बातें

बच्चों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग बहुत जरूरी है। बच्चों को किस उम्र से योग का प्रशिक्षण दिया जाए, उन्हें कितनी देर तक योगाभ्यास करना चाहिए? जानिए, योग प्रशिक्षक से।

बच्चे और योग

अजेश कुमार

योग बच्चों के शारीरिक-मानसिक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। बच्चों को योग सिखाने की सही उम्र क्या है, उन्हें कितनी देर तक योगाभ्यास करना चाहिए, यह जानना जरूरी है। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के पूर्व योगाचार्य **उदय जी** के अनुसार, 'अगर आपका बच्चा अभी तक योग नहीं करता है, तो उसे जल्द से जल्द योग सिखाना शुरू करें। योग से बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होते हैं। यह उनकी एकाग्रता, लचीलापन और सहनशक्ति को बढ़ाता है। छोटी उम्र से योग करने से बच्चे जीवन भर स्वस्थ रहते हैं।' उदय जी ने बच्चों को योग सीखने से जुड़ी कुछ जरूरी बातें बताईं, आप भी इनके बारे में जानिए।

सही उम्र: बच्चों को योग सिखाने की सही उम्र 4-5 साल मानी जाती है। इस उम्र में बच्चे आसानी से योग की बुनियादी मुद्राएं सीख सकते हैं।

योग कितनी देर करें: शुरुआत में बच्चों को 10-15 मिनट तक योग कराना चाहिए। धीरे-धीरे इस समय को बढ़ाकर 20-30 मिनट किया जा सकता है। बच्चों के लिए रोजाना योग करना अच्छा होता है, लेकिन अगर वे हर दिन योग नहीं कर पाते हैं तो सप्ताह में 3-4 दिन भी योग करना पर्याप्त है।

योग के फायदे: योग से बच्चों का शारीरिक विकास बेहतर ढंग से होता है। उनकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं, शरीर में लचीलापन बढ़ता है। योग से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है, मानसिक शांति भी मिलती है। ध्यान केंद्रित होने से बच्चों की पठन-पाठन क्षमता बढ़ती है।

इन बातों का रखें ध्यान: शुरुआत में बच्चों को सरल और आसान योग मुद्राएं सिखाएं। बच्चों के लिए योग को मजेदार बनाएं ताकि वे इसे खुशी-खुशी करें। छोटे बच्चों के लिए योग को खेल के रूप में सिखाना चाहिए, जिससे वे इसे आसानी से और मजे से कर सकें। खेल-खेल में योग करने से बच्चों को आनंद मिलता है, वे आसानी से योग की ओर आकर्षित होते हैं। ✿

स्टार फिटनेस

बढ़ती उम्र में, वर्क स्ट्रेस में भी योग कैसे फिट और एनर्जेटिक बनाए रखता है, बता रही हैं एक्ट्रेस करीना कपूर खान और आलिया भट्ट।

योग ने दी हेल्दी लाइफ

मेरे लिए योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं, खुद की देखभाल का नायाब तरीका है

करीना कपूर खान

मैं तो यही कहूंगी कि अगर आपकी जिंदगी में योगासन का साथ है तो आप सही दिशा की तरफ चल रही हैं, क्योंकि योग ही एक ऐसी प्रक्रिया है, जो आपके बिखरे हुए लाइफस्टाइल को सही दिशा में ले जाता है। अगर मैं अपनी जिंदगी में योग की अहमियत की बात करूं तो योगासन मेरी भाग-दौड़ भरी जिंदगी में शांति और एकाग्रता का सुख लाता है। मेरे हिसाब से योग ऐसा तरीका है, जो सिर्फ शारीरिक फिटनेस नहीं बल्कि मन, शरीर, हृदय के बीच संतुलन बनाए रखने का काम भी करता है। मैंने अपने एक्टिंग करियर में एक फिल्म में किरदार को निभाने के लिए जीरो फिगर बनाने का जोखिम उठाया था। एक खाती-पीती लड़की के लिए, जो फिल्मों में आने से पहले थोड़ा मोटी भी थी, उसके लिए जीरो फिगर बनाना आसान नहीं था। लिहाजा जीरो फिगर तक पहुंचने के बाद मुझे कुछ शारीरिक कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ा, लेकिन जब से मैंने प्रतिदिन योग को अपनी जिंदगी में शामिल कर लिया, इससे मुझे न सिर्फ मानसिक शांति मिली, शारीरिक परेशानियां भी दूर हुईं। मेरे लिए योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं है, खुद की देखभाल का नायाब तरीका भी है। सच कहूं तो योग में कई ऐसे प्रकार होते हैं, जो आपको न सिर्फ अच्छा महसूस कराते हैं, बल्कि आप एक आत्म दृढ़ता भी महसूस करती हैं। योग दिवस के अवसर पर मैं यही कहना चाहूंगी, योगासन को स्कूल कॉलेज में भी शामिल किया जाना चाहिए। बच्चों को भी बचपन से ही मजबूत बनाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए। ✿

योग से सिर्फ हेल्थ ही ठीक नहीं रहती पर्सनालिटी भी निखरती है

आलिया भट्ट

अपने एक्टिंग करियर में बहुत ज्यादा बिजी रहने की वजह से मुझे कुछ हेल्थ इश्यूज होने लगे थे, जिसकी वजह से मेरी लाइफ बहुत डिस्टर्ब हो रही थी। इसी दौरान मैंने पावर योगा और योगा की कुछ बेहतरीन टेक्नीक्स के बारे में सुना। लगा कि मुझे भी योगासन शुरू करना चाहिए। जब मैंने रेग्युलर योग करना शुरू किया तो मुझे एहसास हुआ कि योगासन एक इंसान के जीवन को पूरी तरह बदलने की कैपेसिटी रखता है। सच कहूं तो जब आप रेग्युलर योग करती हैं तो सिर्फ आपकी हेल्थ ही ठीक नहीं रहती, आपकी पर्सनालिटी में भी निखार आता है। रोज योग करने से आप अपने आप को खुश और फ्रेश महसूस करती हैं। बता दूं, फिल्मों में आने से पहले मैं बहुत मोटी थी, उस वक्त मेरा वजन 67 से 70 किलो के बीच था। फिल्मों में आने के बाद जब मैंने क्रैश डाइट और ज्यादा एक्सरसाइज की तो मुझे हेल्थ इश्यू होने लगे थे। लेकिन जब से मैंने योग करना शुरू किया है, तब से मैं अंदरूनी तौर पर अपने आप को स्वस्थ और तरोताजा महसूस करने लगी। योग के अलग-अलग फॉर्म्स से बहुत फायदे हुए। जैसे मेडिटेशन से मानसिक तौर पर शांति महसूस करती हूं। सच कहूं तो अपनी बिजी लाइफ में फिट और फाइन रहने के लिए मुझे योग नामक गुरु मंत्र मिल गया है। मैं तो सभी से कहना चाहूंगी कि आपकी जिंदगी आपकी अपनी है। आप जैसे चाहें वैसे जिएं, लेकिन अगर आपने योगासन को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लिया तो आप अपने जीवन में कई सारे अच्छे बदलाव महसूस करेंगी, जैसा मैं महसूस करती हूं। ✿

प्रस्तुतिः आरती सक्सेना

खबर संक्षेप

महिलाओं को साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

झज्जर। सोमवार को नशामुक्ति जागरूकता अभियान के तहत कस्बा बेरी में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें नशामुक्ति टीम ने पीएचसी बेरी की चिकित्सकीय टीम के साथ मिलकर महिलाओं को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों, महिला सुरक्षा, डायल-112 सेवा तथा साइबर अपराधों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। महिलाओं को बताया गया कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। नशे की लत न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है बल्कि सामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं को भी जन्म देती है। महिलाओं से आह्वान किया गया कि वे अपने परिवार और आसपास के लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें तथा किसी भी प्रकार की नशा तस्करी या अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस दौरान महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा संबंधी उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में डायल-112 सेवा का उपयोग करने के बारे में जागरूक किया गया।

सहयोगी स्वयंसेविकाओं का जताया आभार

बहादुरगढ़। शहर के ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर में सहयोग देने वाली वैश्य कॉलेज की स्वयंसेविकाओं का प्रबंधन ने आभार जताया है। वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय की स्वयसेविका खुशी राठी, योगिता, आरती व सलोनी ने प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा, प्रभारी डॉ. नेहा नैन और डॉ. शालू शर्मा के मार्गदर्शन में रक्तदान जागरूकता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई।

सड़क निर्माण में देरी से कारोबार हुआ प्रभावित, दुकानदारों में रोष

करीब एक पखवाड़ा पहले उखाड़ी गई थी सड़क, जिला प्रशासन से की शीघ्र निर्माण की मांग

मुख्य बाजार होने के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का लगा रहता है आना-जाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। सड़क उखाड़े जाने के बाद रास्ते में हुआ जलभराव। फोटो : हरिभूमि

सिटी पल्स

शहर के छिक्कारा चौक से धौड़ चौक तक की सड़क को पुनर्निर्माण के लिए करीब पखवाड़ा पहले उखाड़ दिया गया था, लेकिन 15 दिन से अधिक समय बीत जाने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से दुकानदारों और क्षेत्रवासियों की परेशानियां बढ़ गई हैं। शहर की यह व्यस्तम सड़क उखाड़े जाने के कारण जहां दुकानदारों के व्यापार पर विपरीत असर पड़ा हैं वहीं लोगों को आवागमन में भी परेशानी का सामना भी करना पड़ रहा है।

दुकान तक आने में आ रही दिक्कत

इलेक्ट्रिक दुकान संचालक अनिल राज्यान ने बताया कि उनकी दुकान उखाड़ी गई सड़क के मोड़ पर स्थित है। आगे का रास्ता बंद होने के कारण कई वाहन उनकी दुकान के सामने खड़े रहते हैं, जिससे ग्राहकों को दुकान तक पहुंचने में परेशानी होती है। इसका सीधा असर उनके कामकाज पर पड़ रहा है।

ग्राहकों की संख्या हुई आधी

ब्रांडेड कपड़ा शोरूम संचालक विकास कुमार ने बताया कि उनके शोरूम में इन दिनों विशेष सेल ऑफर चल रहा है। सड़क उखाड़े जाने से पहले ग्राहकों की संख्या अच्छी थी, लेकिन अब ग्राहकी में कमी आ गई है। इससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। सेल घट कर आधी रह गई है। सड़क निर्माण शीघ्र होना चाहिए ताकि ग्राहकों की रौनक बढ़ सके।

दुकानदारों का कहना है कि सड़क टूटने के बाद से उनका कारोबार लगभग ठप्प हो गया है। अधिकांश दुकानदार किराए की दुकानों में व्यापार करते हैं, ऐसे में उनके सामने किराया, कर्मचारियों का वेतन और अन्य खर्च निकालना भी चुनौती बन गया है। शुरुआत में कई दिनों तक सड़क का मलबा भी नहीं हटाया गया था। हालांकि अब मलबा उठ चुका है, लेकिन निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से सड़क एक बड़ी खाई का रूप ले चुकी है। आसपास के घरों और दुकानों से निकलने वाला पानी भी खुदाई वाले हिस्से में जमा होने लगा है। बता दें कि यह मार्ग शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल है। यहां कई निजी और सरकारी बैंक स्थित हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आना-जाना रहता है। इसके अलावा अनेक ब्रांडेड कपड़ों के शोरूम और अन्य प्रतिष्ठान भी इसी मार्ग पर हैं, जिनकी बिक्री पर सड़क निर्माण में देरी का प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

बरसात के दिनों में होगी और अधिक मुश्किल

क्षेत्रवासी मास्टर अनिल पांचाल ने कहा कि सड़क निर्माण कार्य में अनावश्यक देरी से आम लोगों को भी भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। धूल, कीचड़ और जलभराव की समस्या लगातार बढ़ रही है। बरसात के दिनों में मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। उन्होंने प्रशासन से जल्द निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की।

एडीसी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

झज्जर। सोमवार को लघु सचिवालय परिसर में आयोजित समाधान शिविर में एडीसी जगनिवास ने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। एडीसी जगनिवास ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

बादली कॉलेज में निरीक्षण करने पहुंची टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बादली के चौधरी धीरपाल राजकीय महाविद्यालय में बीए पाठ्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विषय के संचालन के संबंध में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय द्वारा गठित निरीक्षण दल ने दौरा किया। प्राचार्य डॉ. आनंद कादियान ने निरीक्षण दल का स्वागत करने के बाद महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं खेल सुविधाओं की जानकारी दी। इस दल में एमडीयू रोहतक के शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. कुलताज सिंह, विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. संजीव कुमार तथा डॉ. मस्तराम शामिल थे। टीम ने महाविद्यालय में उपलब्ध खेल मैदानों, खेल उपकरणों, शारीरिक शिक्षा विषय से संबंधित अधोसंरचना समेत अन्य आवश्यक सुविधाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रवि शर्मा ने निरीक्षण दल को विभागीय गतिविधियों, खेल उपलब्धियों तथा विद्यार्थियों की सहभागिता से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। निरीक्षण दल ने महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों एवं खेल सुविधाओं का अवलोकन कर संतोष व्यक्त करते हुए प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक सुझाव भी प्रदान किए।

बहादुरगढ़। निरीक्षण करने आई टीम के साथ प्रिंसिपल व अन्य।

एसआईआर अभियान शुरू

झज्जर। एसआईआर के शुरु होने पर डोर टू डोर फार्म वितरित करते हुए बीएलओ।

बीएलओ ने डोर टू डोर जाकर वितरित किए गणना फार्म

झज्जर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान सोमवार से जिलाभर में शुरू हो गया। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने बताया कि 15 जून से 14 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेंगे तथा गणना प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रहण करेंगे। अभियान का उद्देश्य जिले की मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। उन्होंने बताया कि एसआईआर अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। बीएलओ मतदाताओं के विवरण एवं फोटो का सत्यापन करेंगे, वहीं जिलाभर में स्वीप गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो तथा कोई भी पात्र मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहे, इसी उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

बहादुरगढ़। एक व्यक्ति को गणना प्रपत्र देतीं बीएलओ।

बीएलओ ने बांटे गणना प्रपत्र

बहादुरगढ़। विधानसभा क्षेत्र बहादुरगढ़ में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू कर दिया गया है। निर्वाचक पंजीयन अधिकारी अभिनव सिवाच ने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर नियुक्त बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं तथा निर्धारित अवधि में भरे हुए प्रपत्र और आवश्यक दस्तावेज भी एकत्रित करेंगे।

उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। मतदाताओं से अनुरोध किया गया है कि वे गणना प्रपत्र सही ढंग से भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित बीएलओ को उपलब्ध करवाएं। ईआरओ सिवाच ने कहा कि जिन पात्र नागरिकों की आयु निर्धारित अर्हता तिथि तक 18 वर्ष या उससे अधिक हो चुकी है और उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे प्रपत्र-6 व आवश्यक घोषणा पत्र भरकर नया मतदाता पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने सभी मतदाताओं से अभियान में सहयोग करने तथा परिवार के सभी पात्र सदस्यों का सही विवरण उपलब्ध कराने की अपील की, ताकि प्रत्येक योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके।

झज्जर। ग्राम सभा में उपस्थित ग्रामीण एवं विभागीय टीम सदस्य।

सुबाना में हुई ग्राम सभा ओ एंड एम पॉलिसी पर हुआ एमओयू

झज्जर। जल जीवन मिशन के अंतर्गत सोमवार को गांव सुबाना में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच रोहित ने की, जबकि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार श्याम अहलावत मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सामुदायिक सहभागिता जल नीति-2026 की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार जल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव में ग्राम पंचायतों की भागीदारी बढ़ा रही है। अभियान के अंतर्गत पंचायत, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और पंचायत विभाग की भूमिकाएं स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई हैं। साथ ही कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी पक्षों के अधिकार, कर्त्तव्य और जिम्मेदारियां तय की गई हैं। उन्होंने कहा कि अनियमितता या अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में अनुबंध रद्द भी किया जा सकता है। इस दौरान ग्राम पंचायत और संबंधित विभागों के बीच ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस यानि ओ एंड एम पॉलिसी-2026 को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए गए। तय समझौते के अनुसार गांव की जलापूर्ति योजना के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत एवं ग्राम जल एवं सीवरेज कमेटी को सौंपी गई।

वार्ड-31 में घर-घर बांटी जा रही ओआरएस और जिंक टेबलेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर के वार्ड नंबर-31 में डायरिया जागरूकता अभियान का शुभारंभ पार्षद प्रतिनिधि सिकंदर प्रधान ने रिबन काटकर किया। इस दौरान लोगों को डायरिया से बचाव, साफ-सफाई एवं स्वच्छ पेयजल के उपयोग के प्रति जागरूक किया गया।

अभियान में स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉ. आरजू, एएनएम पूनम, आशा वर्कर रीना, अंजू, रजनी, पूनम, मुकेश सांगवान आदि ने सक्रिय भागीदारी निभाई। डॉ. आरजू ने बताया कि डायरिया से बचाव एवं समय पर उपचार सुनिश्चित करने के लिए आशा वर्करों द्वारा प्रत्येक घर में ओआरएस के पैकेट और जिंक टैबलेट वितरित की जाएंगी। उन्होंने लोगों से बच्चों में दस्त की समस्या होने पर तुरंत ओआरएस का घोल देना शुरू करने की अपील की। पार्षद प्रतिनिधि सिकंदर प्रधान ने कहा कि बरसात के मौसम में डायरिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने, हाथों की सफाई बनाए रखने तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करने की अपील की।

बहादुरगढ़। ओआरएस व जिंक टेबलेट वितरित करती डॉ. आरजू और सिकंदर प्रधान। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि।

सीएम की रैली को लेकर भाजपा जिला कार्यकारिणी की बैठक

झज्जर। भाजपा जिला कार्यकारिणी की बैठक जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में 17 जून को मुनीमपुर गांव में आयोजित होने वाली मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जनसभा एवं किसान सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की गई। उन्होंने जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को रैली की सफलता के लिए जिम्मेदारियां सौंपते हुए संगठनात्मक कार्यों का विभाजन किया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सुबह नौ बजे रैली स्थल पर पहुंचकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें तथा अपने-अपने क्षेत्रों से अधिकतम संख्या में लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। इस दौरान जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना, संजय कबलाना, महामंत्री दया किशन, रवि बराही, जय किशन छिल्लर, जिला मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला सहित अन्य भी मौजूद रहे।

सूचना

मैं, कप्तान सिंह पुत्र कर्ण सिंह निवासी-पाना कबोसिया, गांव मांढौठी, तह. बहादुरगढ़, जिला झज्जर हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र नीरज मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसे अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

कार्यालय नगर परिषद बहादुरगढ़

नोटिस आम जनता

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जयभगवान पुत्र श्री सरूप सिंह निवासी जटवाड़ा मोहल्ला बहादुरगढ़ द्वारा Online NDC Portal Property ID No. 3B5NQTN2 Ward No. 16 कॉलोनी जटवाड़ा मोहल्ला जो कि नगर परिषद बहादुरगढ़ के Property Tax रिकॉर्ड में सरूप सिंह के नाम दर्ज है। सरूप सिंह की मृत्यु उपरांत अब नगर परिषद बहादुरगढ़ के रिकॉर्ड में उक्त ID No. पर प्रार्थी के द्वारा वसीयत/वारसान प्रमाण पत्र के आधार पर अपना नाम तबदील करवाना चाहते हैं, जिसकी वसीयत/वारसान प्रमाण पत्र तहसीलदार बहादुरगढ़ द्वारा तसदीक/तसदीक नहीं की गई है।

अतः आम व खास को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति नंबर 3B5NQTN2 वार्ड नंबर-16 कॉलोनी जटवाड़ा मोहल्ला पर यदि कोई अन्य हकदार है या उक्त सम्पत्ति पर किसी को कोई आपत्ति है तो वह सबूतों सहित इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अंदर-अंदर नगर परिषद बहादुरगढ़ कार्यालय में आकर अपना दावा पेश करें। अन्यथा इस नोटिस का समय समाप्त होने पर वह सम्पत्ति नंबर- 3B5NQTN2 / 43 वर्ग गज प्रार्थी जयभगवान पुत्र श्री सरूप सिंह के नाम से नगर परिषद बहादुरगढ़ के रिकॉर्ड में दर्ज कर दी जाएगी। जिसमें नगर परिषद बहादुरगढ़ की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

- हस्ता/- कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद बहादुरगढ़

व्यापारियों ने मीठे पानी की छबील लगाकर राहगीरों की बुझाई प्यास

व्यापारी हितों की आवाज बुलंद करने वाले स्व. लक्ष्मी चंद गुप्ता को पुण्यतिथि पर किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

हरियाणा व्यापार मंडल के संस्थापक अध्यक्ष व्यापारी हितों की आवाज को बुलंद करने वाले स्वर्गीय लक्ष्मी चंद गुप्ता की 22वीं पुण्यतिथि शहर में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केशव सिंगल ने बताया कि स्थानीय सब्जी मंडी में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद के अध्यक्ष एवं व्यापार मंडल के जिला संरक्षक जिले सिंह सैनी, गोसेवा आयोग के सदस्य प्रमोद बंसल, जिला उपाध्यक्ष बालकिशन शर्मा, सचिव श्रीचंद प्रजापति, सीए प्रशांत आर्य, सब्जी मंडी के पूर्व प्रधान सुल्तान यादव, जिला महासचिव सुनील यादव, केडी शर्मा, मुकेश पोपली, अश्वनी अरोड़ा, सुरेश गुप्ता, अमित, दीवान खरोलिया, भूषण चुग, सुंदर सैनी, नीटू वाल्मीकि, मुकेश कृष्ण आदि द्वारा स्वर्गीय लक्ष्मीचंद गुप्ता की प्रतिमा पर पुष्पार्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस उपलक्ष्य में छबील लगाकर राहगीरों को मीठा पानी भी पिलाया गया। जिलाध्यक्ष केशव सिंघल ने कहा कि लक्ष्मीचंद गुप्ता ने व्यापारियों के हक की लड़ाई बड़ी निर्भरता से लड़ी। व्यापारियों की लड़ाई-लड़ते वे आंदोलन में कई बार जेल भी गए। वर्तमान में उनके पुत्र विजयलक्ष्मी चंद गुप्ता हरियाणा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष पद पर रहते हुए व्यापारियों की सेवा कर रहे हैं।

झज्जर। लक्ष्मीचंद गुप्ता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देते हुए व्यापारी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। मजदूरों को जागरूक करते एसआई सत्यप्रकाश सिंह।

मजदूरों को नशे व बालश्रम के प्रति जागरूक किया

बहादुरगढ़। स्थानीय पुलिस की ओर से नशे के विरुद्ध जागरूकता मुहिम चलाई जा रही है। इसके तहत सोमवार को पुलिस टीम ने रेलवे रोड स्थित रेलवे रोड स्थित लेबर चौक पर श्रमिकों को बाल मजदूरी और नशे के प्रति जागरूक किया। एसआई सत्यप्रकाश ने कहा कि नशा समाज में बेहद गंभीर समस्या है। नशा शारीरिक, मानसिक और आर्थिक तौर पर हमें नुकसान पहुंचाता है। इसकी वजह से अपराध, हादसे, गृह क्लेश आदि बढ़ते हैं। अधिकांश मजदूर तबका अपने गांव, प्रदेश को छोड़कर कहीं और कमाने-खाने जाता है। ऐसे में अपनी मेहनत की कमाई को नशे में व्यर्थ न करें। नशे से दूर रहें और अपने बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें। नशे व अन्य बुराइयों में धन खर्च करने के बजाय उसे अपने बच्चों की पढ़ाई में लगाए ताकि वे जीवन में आगे बढ़ सकें। इसके अलावा बच्चों को बाल मजदूरी में न झोंके। यह दंडनीय अपराध भी है। अंत में श्रमिकों को नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया गया।

अदालत सूचना

बा अदालत सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बहादुरगढ़, जिला झज्जर

सत्यवीर बनाम वेदप्रकाश आदि

खेवट नंबर-247 व 248, गांव- सराय औरंगाबाद

सत्यवीर सिंह पुत्र मुनीराम पुत्र रामनाथ निवासी गांव सराय औरंगाबाद, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा। ....प्रार्थी

बनाम

.... उत्तरवादीगण

1. वेद सिंह पुत्र खुशीया पुत्र रामनाथ, 2. ताराचंद पुत्र मुनीराम पुत्र रामनाथ, 3. मैसर्स जे०बी०जी० बिल्डिकोन प्रा० लि० व अन्य, 4. विरेंद्र कुमार पुत्र मुनीराम पुत्र रामनाथ, 5. कृष्ण कुमार पुत्र खुशीया पुत्र रामनाथ, 6. औमप्रकाश पुत्र खुशीया पुत्र रामनाथ, 7. दीपक पुत्र सत्यप्रकाश पुत्र खुशीया, 8. देवेन्द्र कुमार पुत्र खुशीया पुत्र रामनाथ, 9. डिम्पल लाठर पत्नी बिजेंद्र सिंह लाठर, 10. सबीर सिंह पुत्र खुशीया पुत्र रामनाथ, 11. श्रीहरिश पुत्र ईश्वर दास पुत्र पम्मीशाह, 12. प्रवीन पुत्र रामचन्द्र पुत्र होशियार सिंह, 13. अनीता दलाल पत्नी सुरेन्द्र सिंह दलाल पुत्र करतार सिंह, 14. राकेश सिंह पुत्र जगपाल पुत्र रिसाल सिंह, 15. रेखा पत्नी अनील कुमार, 16. सावत्री देवी पत्नी जीत सिंह निवासी गांव सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा।......... उत्तरवादीगण

दरखास्त बराए तकसीम बाबत खेवट नंबर-247 व 248 मौजा गांव सराय औरंगाबाद, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर।

उपरोक्त शीर्षक के मुकदमे में उक्त प्रत्यार्थीगण समन की तामील करने से जानबूझकर बच रहे है, इसलिए उक्त प्रत्यार्थीगण के नाम यह विज्ञापन जारी किया जाता है कि यदि उक्त प्रत्यार्थीगण तारीख पेशी 15/07/26 को प्रातः 10 बजे इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो इस संबंध में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी। मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

- हस्ता/- सहायक कलेक्टर, प्रथम श्रेणी, बहादुरगढ़

अदालत सूचना

बा अदालत सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बहादुरगढ़, जिला झज्जर

सत्यवीर बनाम वेदप्रकाश आदि

खेवट नंबर-249 व 250, गांवः सराय औरंगाबाद

सत्यवीर सिंह पुत्र मुनीराम पुत्र रामनाथ निवासी गांव सराय औरंगाबाद, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा।.........प्रार्थी

बनाम

1. वेद सिंह पुत्र खुशीया पुत्र रामनाथ, 2. ओमप्रकाश पुत्र खुशीया पुत्र रामनाथ, 3. सबीर सिंह पुत्र खुशीया पुत्र रामनाथ, 4. कृष्ण कुमार पुत्र खुशीया पुत्र रामनाथ, 5. देवेंद्र कुमार पुत्र खुशीया पुत्र रामनाथ, 6. ताराचंद पुत्र मुनीराम पुत्र रामनाथ, 7. विरेंद्र कुमार पुत्र मुनीराम पुत्र रामनाथ, 8. सुरेश कुमार मुदगिल पुत्र मातूराम पुत्र रामनाथ, 9. सरस्वती पत्नी मामनचंद, 10. सुधा शर्मा पत्नी राकेश पुत्र प्रेम प्रकाश, 11. प्रेमो देवी पत्नी रामनाराण, 12. सुदेश पत्नी सतप्रकाश पुत्र मीर सिंह, 13. बबीता पत्नी बिजेंद्र पुत्र मीर सिंह, 14. कृष्णा पत्नी इंद्रदेव, 15. सुनीता देवी पत्नी चंद्रदत्त, 16. राजवती पत्नी रामकुमार पुत्र भीम सिंह, 17. मुकेश कुमार पुत्र नफे सिंह पुत्र हरिसिंह, 18. स्वीटी पुत्री नफे सिंह पुत्र हरिसिंह, 19. बंटी रानी पुत्री नफे सिंह पुत्र हरिसिंह, 20. बबीता देवी पुत्री नफे सिंह पुत्र हरिसिंह, 21. रेखा पुत्री नफे सिंह पुत्र हरिसिंह, 22. प्रभु शांती रियल इस्टेट प्रा० लि० निवासी गांव सराय औरंगाबाद, तहसील बहादुरगढ, जिला झज्जर, हरियाणा।......... उत्तरवादीगण

दरखास्त बराए तकसीम बाबत खेवट नंबर-249 व 250 मौजा गांव सराय औरंगाबाद, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर।

उपरोक्त शीर्षक के मुकदमे में उक्त प्रत्यार्थीगण समन की तामील करने से जानबूझकर बच रहे है, इसलिए उक्त प्रत्यार्थीगण के नाम यह विज्ञापन जारी किया जाता है कि यदि उक्त प्रत्यार्थीगण तारीख पेशी 15/07/26 को प्रातः 10 बजे इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो इस संबंध में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी। मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

- हस्ता/- सहायक कलेक्टर, प्रथम श्रेणी, बहादुरगढ़

मिशन एडमिशन : 5 राजकीय कॉलेजों में 2840 सीटों पर आए 2176 आवेदन

18 तक विद्यार्थी करवा सकतें हैं संशोधन 22 को दस्तावेज जांच, 27 को मेरिट लिस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

इलाके के 5 राजकीय कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कुल 2,840 सीटों पर अंतिम तिथि तक 2176 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उच्च शिक्षा विभाग पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 18 जून तक आवेदनों में ओटीपी बेस्ड संशोधन किया जा सकेगा। इसके अलावा 18 जून को त्रुटियों से संबंधित सूची प्रकाशित होगी।

एक जुलाई तक भरनी होगी फीस

बता दें कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में प्रवेश को लेकर 7 मई से ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हुए थी। यह रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 31 मई तक होनी थी, लेकिन विभाग ने इसे 15 जून तक बढ़ा दिया था। बहादुरगढ़-बादली के 5 सरकारी कॉलेजों में स्नातक की 2840 सीटें उपलब्ध हैं। बहादुरगढ़ के राजकीय महाविद्यालय में 980 सीटों पर 1101 एप्लीकेशन प्राप्त हुई हैं। राजकीय महिला महाविद्यालय में 500 सीटों पर 403, छारा के राजकीय महाविद्यालय में 540 सीटों पर 355, जसौरखेड़ी के राजकीय महाविद्यालय में 160 सीटों पर 49 और बादली के राजकीय महाविद्यालय में 660 सीटों पर 268 पंजीकरण हुए हैं। नोडल अधिकारी डॉ. कमल कुमार रंगा के अनुसार ऑनलाइन दस्तावेज सत्यापन 22 जून तक होंगे। इसके बाद 24 जून को पात्र छात्रों की सूची, 26 जून को पहली प्रोविजनल और 27 जून को पहली फाइनल मेरिट सूची जारी होगी। एक जुलाई तक फीस भरके दाखिले सुनिश्चित किए जा सकेंगे।

कॉलेज वाइज सीट व आवेदन

संकाय	सीट	आवेदन
राजकीय कॉलेज बहादुरगढ़ (980-1101)		
बीए (मॉर्निंग)	320	493
बीए (इवनिंग)	200	87
बीसीए	60	192
बीबीए	40	106
बीकॉम	180	100
बीएससी लाइफ साइंस :	60	78
बीएससी फिजिकल साइंस:	120	45
राजकीय महिला महाविद्यालय (500-403)		
बीए	280	278
बीकॉम	120	49
बीएससी लाइफ साइंस :	60	52
बीएससी फिजिकल साइंस:	80	24
राजकीय महाविद्यालय छारा (540-355)		
बीए	240	238
बीकॉम	60	20
बीएससी लाइफ साइंस :	80	32
बीएससी फिजिकल साइंस:	80	25
बीए फिजिकल एजुकेशन	80	40
राजकीय कॉलेज जसौरखेड़ी (160-49)		
बीए	160	49
राजकीय कॉलेज बादली (660-268)		
बीए	400	168
बीकॉम	80	19
बीए जिओग्राफी ऑनर्स	40	16
बीएससी लाइफ साइंस	20	27
बीएससी फिजिकल साइंस	80	27
बीएससी केमेस्ट्री ऑनर्स	40	11

स्नातक कक्षाओं में दाखिलों के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

यूजी कक्षाओं की 1200 सीटों के लिए कुल 1547 आवेदन मिले

बीएससी फिजिकल साइंस की 300 सीटों के लिए 117 आवेदन

विभिन्न कॉलेजों की बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए और बीसीए इत्यादि स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी हो गई है। जनसंचार विभागाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में सोमवार शाम तक यूजी कक्षाओं की 1200 सीटों के लिए कुल 1547 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो उपलब्ध सीटों से लगभग 29 प्रतिशत अधिक हैं।

उन्होंने बताया कि बीए की 480 सीटों के लिए 709 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो कुल सीटों बहुत अधिक हैं। बीसीए की 80 सीटों के लिए 240 आवेदन आए हैं, जिसमें सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्धा है। बीबीए की 80 सीटों के लिए 139, बीकॉम की 140 सीटों के लिए 146, बीएससी लाइफ साइंस की 80 सीटों के लिए 138, बीएससी गणित की 40 सीटों के लिए 58 तथा बीएससी फिजिकल साइंस की 300 सीटों के लिए 117 आवेदन प्राप्त हुए हैं। डॉक्टर अमित ने बताया कि जिन विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र में किसी प्रकार का संशोधन करना है, वे 17 तक कर सकते हैं।

दस्तावेजों का सत्यापन पूरी तरह ऑनलाइन होगा: डॉक्टर अमित

अमित भारद्वाज ने बताया कि दस्तावेजों का सत्यापन पूरी तरह ऑनलाइन होगा और इसके लिए विद्यार्थियों को कॉलेज आने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी आवेदन में कोई आपत्ति या कमी पाई जाती है तो संबंधित विद्यार्थी को उसके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से सूचना दी जाएगी। विद्यार्थी निर्धारित समय में त्रुटियों को दूर कर अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे।

झज्जर। मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए ओमप्रकाश धनखड़ व डीसी वर्षा खांगवाल। फोटो : हरिभूमि

योग मैराथन में जोश और उत्साह के साथ दौड़े शहरवासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के साथ-साथ 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय योग मैराथन में शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग, स्वास्थ्य और नशामुक्ति के संदेश को लेकर निकाली गई इस मैराथन में युवाओं, विद्यार्थियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा आमजन ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने महर्षि दयानंद सरस्वती खेल स्टेडियम से योग मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरी दुनिया अपना रही है। योग न केवल शरीर को स्वस्थ बनाता है बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन भी प्रदान करता है। वहीं डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की एक सम्पूर्ण जीवनशैली है। योग व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाता है। इस दौरान जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना, जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, संजय कबलाना, संत सुरेहती सहित अन्य भी मौजूद रहे।

परिवार व समाज के आचरण से सीखते हैं बच्चे: डॉ. राकेश

झज्जर। संस्थान आयाम प्रमुख राजबीर सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए द हाइट संस्था के डायरेक्टर नवींद्र कुमार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ द हाईट अकादमी व गोशाला में कुटुंब प्रबोधन के शिक्षण संस्थान आयाम की जिला स्तरीय बैठक हुई

द हाईट अकादमी व गोशाला में सोमवार को कुटुंब प्रबोधन के शिक्षण संस्थान आयाम की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में हरियाणा प्रांत के शिक्षण संस्थान आयाम प्रमुख एवं पूर्व रजिस्ट्रार डॉक्टर राकेश वधवा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जिला संयोजक अधिवक्ता पंकज तथा रोहतक जिला संयोजक संजय कुमार ने भी शिरकत की। बैठक का शुभारंभ जिला शिक्षण संस्थान आयाम प्रमुख राजबीर सिंह द्वारा अतिथियों के स्वागत एवं परिचय के साथ हुआ। इस दौरान संस्कारयुक्त शिक्षा, अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी, मोबाइल फोन के विवेकपूर्ण उपयोग, ई-उपवास, स्वास्थ्य जागरूकता तथा पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि बच्चे केवल उपदेशों से नहीं, बल्कि परिवार और समाज के आचरण एवं व्यवहार से सीखते हैं। मुख्य वक्ता डॉक्टर राकेश वधवा ने कहा कि परिवार समाज की आधारभूत इकाई है और शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं, बल्कि संस्कार एवं चरित्र निर्माण भी है। इस मौके पर द हाइट अकादमी के डायरेक्टर नवींद्र कुमार, ब्रह्मचारी इंद्रजीत आर्य, मास्टर सुरेंद्र कुमार, डॉक्टर सम्मत सिंह, कृष्णदत्त आर्य, नवीन कुमार, महताब सिंह सैनी आदि मौजूद रहे।

सोमवती अमावस्या पर दुकानदारों ने छबील लगाकर पिलाया पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सोमवती अमावस्या के उपलक्ष्य में सोमवार को शहर के बीकानेर चौक के नजदीक दुकानदारों द्वारा छबील लगाकर राहगीरों में मीठा पानी वितरित किया। दुकानदार महावीर सिंह ने बताया कि गर्मी में प्यासे को पानी पिलाना पुण्य का कार्य माना गया है। उन्होंने राहगीरों की प्यास बुझाने के उद्देश्य से छबील लगाई है। छबील में छोटे बच्चे भी सेवा कर रहे हैं। इस दौरान एडवोकेट जितेंद्र कटारिया, नरेंद्र, सतबीर, सोनू, मोनू, हैप्पी, धर्मचंद, अनमोल, पुष्कर, जागृत, गुल्लू, लक्की, सुमित आदि ने छबील सेवा करते हुए राहगीरों को शर्बत पिलाया।

तीन वार्डों में 128 लाख से होंगे विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

विधायक ने वार्ड-21 में 46.21 लाख, वार्ड-30 में 50 लाख तथा वार्ड-31 में 32.6 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों का नारियल फोड़कर किया शुभारंभ

बहादुरगढ़। सैनिक नगर में गली निर्माण का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून व अन्य। फोटो : हरिभूमि

विधायक राजेश जून ने सोमवार को शहर के तीन वार्डों में 1 करोड़ 28 लाख 81 हजार रुपए के विकास कार्यों का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। विधायक राजेश जून ने विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए बताया कि वार्ड नंबर-21 में 46.21 लाख, वार्ड नंबर-30 में 50 लाख तथा वार्ड नंबर-31 में 32.6 लाख रुपए की लागत से गलियों का निर्माण होगा। वार्ड नंबर-21 में पार्षद बिजेंद्र पाल दलाल, वार्ड नंबर-30 में पार्षद नीना राठी, सतपाल राठी तथा वार्ड नंबर-31 में पार्षद प्रतिनिधि सिकंदर ने विधायक राजेश जून का स्वागत किया।

आवागमन होगा बेहतर

वार्ड के लोगों ने लंबे समय से लंबित पड़ी गलियों के निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी जताई। साथ ही विधायक, पार्षदों व नगर परिषद अधिकारियों का आभार जताया। विकास कार्यों के शुभारंभ अवसर पर विधायक राजेश जून ने कहा कि शहर के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। इन गलियों के निर्माण से न केवल वार्ड की तस्वीर बदलेगी, बल्कि लोगों को आवागमन में भी बड़ी राहत मिलेगी और मूलभूत सुविधाएं मजबूत होंगी। विधायक ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी द्वारा बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में सड़क, गली, सीवरेज, पेयजल और अन्य जनसुविधाओं से जुड़े अनेक प्रोजेक्ट लगातार स्वीकृत किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विधानसभा क्षेत्र में लगभग 200 विकास कार्य विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं। राजेश जून ने वार्ड पार्षदों, नगर परिषद अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों से कार्यों की नियमित निगरानी करने की अपील की। ताकि गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित किया जा सके। इस मौके पर नप के कार्यकारी अधिकारी संजय रोहिल्ला व पालिका अभियंता जोगेंद्र सिंधु भी उपस्थित रहे।

ओलंपियन अकरम शाह का बराही में स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के एग्जीक्यूटिव मेंबर, अर्जुन अवॉर्डी एवं ओलंपियन अकरम शाह का बराही गांव पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

खेल प्रेमी बिजेंद्र पहलवान तथा ब्लॉक पार्षद प्रतिनिधि विजय दलाल ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान अकरम शाह ने खिलाड़ियों को खेलों में अनुशासन, मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल उचित मार्गदर्शन और अवसरों की है। बिजेंद्र पहलवान और विजय दलाल ने अकरम शाह की खेल जगत में उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि उनका गांव में आगमन युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके अनुभवों से क्षेत्र के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे।

बहादुरगढ़। अकरम शाह का स्वागत करते बिजेंद्र पहलवान व विजय दलाल।

सांखोल में सूर्या फाउंडेशन की लाइब्रेरी का शुभारंभ

18 राज्यों में हो रहा संचालन

बहादुरगढ़। लाइब्रेरी का उद्घाटन करने के बाद बच्चों के साथ अतिथि। फोटो : हरिभूमि

■ पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी और भाविप की विवेकानंद शाखा के अध्यक्ष मुरारी लाल गोयल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सूर्या फाउंडेशन की आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत सूर्या सेवा केंद्र के तहत सांखोल में बच्चों के ज्ञानवर्धन एवं शैक्षिक विकास के लिए स्थापित लाइब्रेरी का शुभारंभ किया गया। पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी, भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा के अध्यक्ष मुरारी लाल गोयल, राजेश राठी, आदर्श ग्राम योजना के प्रोजेक्ट हेड प्रमोद आसरे, संजय गर्ग व भंवर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

प्रमोद आसरे ने कहा कि पुस्तकें बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला होती हैं। सूर्या सेवा केंद्र में संचालित लाइब्रेरी, कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र एवं सिलाई कौशल प्रशिक्षण केंद्र बच्चों, युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि सूर्या फाउंडेशन पिछले 25 वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, समरसता और पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है तथा देश के 18 राज्यों में सेवा गतिविधियों का संचालन कर रहा है।

अतिथियों ने लाइब्रेरी को ग्रामीण बच्चों के लिए ज्ञान का केंद्र बताते हुए कहा कि इससे उनमें पढ़ने की आदत विकसित होगी तथा प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा के लिए बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। इस अवसर पर क्षेत्र प्रमुख कवल कुमार, श्याम, नीति, निधि, सुनीता आदि उपस्थित रहे।

बिजली वितरण को निजी हाथों में जाने से रोके कमीशन : रामकिशन

बहादुरगढ़। ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर एसोसिएशन से संबंधित बिजली उपभोक्ता मंच ने निजी ग्रुप द्वारा गुरुग्राम व नूंह जिलों के बिजली वितरण लाइसेंस के लिए हरियाणा इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन को किए आवेदन को तुरंत खारिज करने की मांग की है। बिजली उपभोक्ता मंच की झज्जर इकाई के संयोजक रामकिशन व सतबीर बल्हारा ने बताया कि यह पिछले दरवाजे से तमाम बिजली वितरण क्षेत्र को निजी कंपनियों के हवाले करने की तैयारी है।

महंगी होगी बिजली

इसके बाद लगातार मंहगी हो जाएगी। जिसकी मार बिजली उपभोक्ताओं पर पड़ेगी। बिजली कर्मचारियों की सर्विस भी खतरे में पड़ जाएगी। डीएचबीवीएन का करी 70 प्रतिशत राजस्व अकेले गुरुग्राम जिले से आता है। उन्होंने हरियाणा इलेक्ट्रिसिट रेगुलेटरी कमीशन से यह आवेदन खारिज करने की मांग की है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

समय पर पहचान और उपचार से क्लबफुट प्रभावित बच्चे जी सकते हैं सामान्य जीवन

जिले में 52 बच्चे क्लबफुट का उपचार प्राप्त कर रहे

■ विश्व क्लबफुट दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता और संवाद कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

विश्व क्लबफुट दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को स्थानीय नागरिक अस्पताल में क्लबफुट से प्रभावित बच्चों एवं उनके परिवारों के साथ जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्लबफुट की समय पर पहचान, शीघ्र उपचार तथा उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। सीएमओ डॉक्टर मंजू कादियान ने कहा कि क्लबफुट एक जन्मजात विकृति है, जिसमें बच्चे के पैर जन्म के समय अंदर की ओर मुड़े होते हैं। यदि इसका उपचार समय पर शुरू कर दिया जाए तो प्रभावित बच्चा पूरी तरह सामान्य और सक्रिय जीवन जी सकता है। उन्होंने अभिभावकों से सरकार द्वारा उपलब्ध निःशुल्क उपचार सेवाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

झज्जर। क्लबफुट से प्रभावित बच्चों के साथ उपस्थित अभिभावक एवं स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

उप सिविल सर्जन डॉक्टर ममता त्यागी ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से क्लबफुट से प्रभावित बच्चों की प्रारंभिक पहचान कर उन्हें उपचार के लिए सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया जाता है। जिले में यह सुविधा नागरिक अस्पताल स्थित जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र में उपलब्ध है, जहां नियमित रूप से साप्ताहिक क्लबफुट क्लीनिक संचालित किए जाते हैं। विभागीय जानकारी के अनुसार वर्तमान में जिले में 52 बच्चे क्लबफुट का उपचार प्राप्त कर रहे हैं तथा कार्यक्रम शुरू होने से अब तक 52 बच्चों का पंजीकरण किया जा चुका है। इसके अलावा लगभग 200 आशा कार्यकर्ताओं को क्लबफुट की पहचान और समय पर रेफरल के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रविंद्र फौगाट, डीईआईसी मैनेजर अंजू, फिजियोथैरेपिस्ट अरुण कुमार, रविंद्र कुमार, सुमित कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।